संस्कृत-2016 (द्वितीय पाली)

Time : 3 Hrs. 15 Minutes] [Full Marks : 100

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश : देखें 2015 (प्रथम पाली)

खण्ड-'क' (अपठित अवबोधनम्) 13 अंका:

1. निम्नलिखित गद्य श को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखें :

अस्ति मन्दरनाम्नि पर्वते दुर्दान्तो नाम सिंह:। स च सर्वदा पशूनां वधं कुर्वन् आस्ते। तत: सर्वै: पशुभि: मिलित्वा स सिंहो विज्ञप्त:-मृगेन्द्र किमर्थमेकदा बहुपशुघात: क्रियते ?

(क) एकपद में उत्तर दें : 4

(i) दुर्दान्तो नाम क: आसीत् ?

(ii) स: केषां वधं करोतिस्म ?

(iii) सिंह: कै: विज्ञप्त: ?

(iv) सिंहं कुत्र वसतिस्म ?

(ख) पूर्णवाक्य में उत्तर दें : 4

(i) दुर्दान्तो नाम सिंह: कुत्र आसीत् ?

(ii) सर्वदा पशूनां वधं क: कुर्वन् आस्ते ?

(ग) निर्देशानुसार उत्तर दें : 4

(i) 'पर्वते' इति पदे का विभक्ति: ?

(ii) 'सर्वदा' किमस्ति ?

(iii) 'मिलित्वा' इत्यत्र क: प्रत्यय: ?

(iv) 'अस्ति' इति क्रियाया: कर्तृपदं किम् ?

(घ) अस्य गद्यांशस्य समुचितं शीर्षकम् लिखत। 1

खण्ड-'ख' (रचनात्मकं कार्यम्-पत्रलेखनम्) 15 अंका:

2. मंजूषा स्थित पदों से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें। 8

पटनात:

तिथि:-30.05.2015

प्रिय ..... विवेक,

सादरं .....

अहम् सकुशलं ..... निवसामि, अध्ययनरतश्च। आशासे .....

पित्रा सह सकुशलं .....। मम परीक्षाफलम् अद्यैव निर्गतम्। अहम् अतिप्रीतोऽस्मि यतोहि मया प्रथमश्रेण्याम् ..... प्राप्तम्। पुन: उच्चशिक्षार्थम् नवदिल्याम् .....

.....। शेषम् शुभम्। पत्रोत्तरम् .....।

भवत्सुहृत्

राकेश:

http://www.bsebstudy.com

http://www.bsebstudy.com

छात्रावासे, देयम्, प्रथमस्थानम्, मित्र,
जिगमिषामि, यथोचितम्, त्वमपि, भविष्यसि।

3. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में सात वाक्यों का अनुच्छेद लिखें :
   (i) डॉ. राजेन्द्र प्रसादः
   (ii) अनुशासनम्
   (iii) हिमालयः
   (iv) गंगानदी।

खण्ड-'ग' (अनुप्रयुक्त व्याकरणम्) 32 अंकाः

4. निर्देशानुसार उत्तर दें :
   (क) गिर + ईशः (सन्धि करें)।
   (ख) महोदयः (सन्धि विच्छेद करें)।
   (ग) 'इ + अ' के मेल से कौन-सा वर्ण बनेगा ?
   (घ) व्यञ्जन सन्धि का एक उदाहरण लिखें।
5. (क) पितुः' किम विभक्ति का रूप है ?
   (ख) 'तैः' का मूल शब्द क्या है ?
   (ग) रामेण सह लक्ष्मणः वनं गतवान्। 'रामेण' में कौन-सी विभक्ति है ?
   (i) प्रथमा (ii) तृतीया
   (iii) चतुर्थी (iv) पञ्चमी
6. (क) 'पश्यन्तु' किस धातु का रूप है ?
   (i) दृश् (ii) पश्
   (iii) दृश्य (iv) पश्य
   (ख) 'दास्यति' किस लकार का रूप है ?
   (i) लट् (ii) लृट्
   (iii) लोट् (iv) लङ्
7. (क) 'प्रभवति' पद में कौन-सा उपसर्ग है ?
   (ख) किस शब्द में 'आङ्' उपसर्ग लगा हुआ है ?
   (i) आदाय (ii) अदय
   (iii) आर्थ (iv) अस्ति
8. (क) 'अद् + क्त्वा' के योग से कौन-सा शब्द बनेगा ?
   (i) जग्ध्वा (ii) अत्वा
   (iii) आत्वा (iv) अद्क्त्वा
   (ख) 'रूपवान्' में कौन-सा तद्धित प्रत्यय है ?
   (i) वान् (ii) मान्
   (iii) मतुप् (iv) वतुप्
9. (क) 'वत्स' का स्त्रीलिंग रूप क्या होगा ?
   (i) वत्सी (ii) वत्सा
   (iii) वात्सी (iv) वत्सिनी

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

(ख) 'नदी' में कौन-सा स्त्री-प्रत्यय है ? 1

(i) ङीप् (ii) ङीष्

(iii) टाप् (iv) ङीन्

10. (क) 'लघु + तल्' से कौन-सा शब्द बनेगा ? 1

(i) लघुत्व (ii) लघुता

(iii) लघुः (iv) लघू

(ख) 'गम् + तुमुन्' के योग से कौन-सा शब्द बनेगा ? 1

11. (क) 'अतिहिमम्' का समास विग्रह करें। 1

(ख) 'युधि तिष्ठति' का समस्त पद बनावें। 1

(ग) 'त्रिभुवनम्' में कौन-सा समास है ? 1

(घ) 'नञ्' समास' का एक उदाहरण लिखें। 1

12. (क) 'ध्रुवमपायेऽपादानम्' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या करें। 2

(ख) 'रावणः रामाय क्रुध्यति' यहां 'रामाय' में कौन-सी विभक्ति है ? 2

13. निम्नलिखित में से किन्हीं सात वाक्यों का अनुवाद संस्कृत में करें। 7

(क) ब्राह्मण को मधुर प्रिय है।

(ख) वह एक पैर से लंगड़ा है।

(ग) महादेव के लिए नमस्कार है।

(घ) मुनि आसन पर बैठता है।

(ङ) उद्यान में फूल खिले हैं।

(च) वह प्रतिदिन विद्यालय जाता है।

(छ) पटना का गोलघर प्रसिद्ध है।

(ज) बनारस में विश्वनाथ मंदिर है।

(झ) मेरे पिता कल आयेंगे।

(ञ) मैं शिक्षक से संस्कृत पढ़ता हूँ।

खण्ड-'घ' (पठित अवबोधनम्) 40 अंकाः

14. निम्नलिखित गद्यांशों का अनुवाद हिन्दी में करें : 6

(क) नियोगिपुरुषैः चत्वारः अपि अलसाः गृहाद् वहिः कृताः।

(ख) विपुलं संस्कृतसाहित्यम् विभिन्नकविभिः शास्त्रकरैश्च संवर्धितम्।

(ग) भारतीयजीवनदर्शने षोडश संस्काराः अनुष्ठीयन्ते।

15. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दें : 4

(क) पाटलिपुत्रं कस्याः नद्याः तटे अवस्थितमस्ति ?

(ख) वीरेश्वरः कः आसीत् ?

(ग) विपुलं संस्कृत-साहित्यं कैः संवर्धितम् ?

(घ) शास्त्रार्थ कुशला का आसीत् ?

16. स्वामी दयानन्द कौन थे ? समाज सुधार के लिए उन्होंने क्या किया ? 3

17. रामप्रवेश का जन्म कहाँ हुआ था ? उन्होंने देश की सेवा से कैसे यश अर्जित की ? 3

18. निम्नलिखित श्लोकों का अर्थ करें : 4

(क) तत्त्वज्ञः सर्वभूतानां योगज्ञः सर्वकर्मणाम्।

उपयज्ञो मनुष्याणां नरः पण्डित उच्यते।।

http://www.bsebstudy.com

http://www.bsebstudy.com

(ख) त्रिविधं नरकस्येदं द्वारं नाशनमात्मनः।
काम: क्रोध: तथा लोभ: तस्मादेतत् त्रयं त्यजेत्।।

19. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखें : 4

(क) विदुरः कः आसीत् ?

(ख) नरकस्य कियद् द्वारं परिगणितम् ?

(ग) कीदृशानि तीर्थानि रतिं संजनयन्ति ?

(घ) देवयानः पन्थाः केन विततः अस्ति ?

20. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या करें : 3

कंकणस्य तु लोभेन मग्नः पके सुदुस्तरे।
वृद्ध-व्याघ्रेण संप्राप्तः पथिकः स मृतो यथा।।

21. 'कर्णस्य दानवीरता' पाठ के आधार पर दान की महत्ता को बतायें। 3

22. (क) छः प्रकार के दोष कौन हैं ? पठित पाठ्य के आधार पर वर्णन करें। 3

(ख) "संस्काराः प्रायः पञ्चविधाः सन्ति। जन्मपूर्वाः त्रयः।
शैशवाः षट्, शैक्षणिकाः पञ्च, गृहस्थ-संस्कार-विवाहरूपः एकः मरणोत्तर संस्कारश्चैकः।"

http://www.bsebstudy.com 3

(i) यह उक्ति किस पाठ की है ?

(ii) जन्मपूर्व संस्कार कितने हैं ?

(iii) 'गृहस्थ-संस्कार' कौन हैं ?

23. संस्कृत में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एकपद में दें : 4

(क) ततः ब्राह्मणरूपेण कः प्रविशति ?

(ख) व्याघ्रः हस्तं प्रसार्य किम् दर्शयति ?

(ग) समाजोद्धारकः कः आसीत् ?

(घ) बालकः कस्य शिक्षणशैल्याकृष्टः ?

उत्तरमाला

1. (क) (i) सिंहः, (ii) पशुभि, (iii) सिंहः, (iv) पर्वते।

(ख) (i) मन्दरनाम्नि पर्वते सिंह आसीत्।

(ii) सर्वे पशुभिः मिलित्वा स सिंहो विज्ञप्तः।

(ग) (i) सप्तमी, (ii) अव्ययम्, (iii) कृत्वा, (iv) सिंहः।

(घ) दुर्दान्तो सिंह।

2. मित्र, यथोचितम्, छात्रावासे, त्वमपि, भविष्यसि, प्रथमस्थानम्, जिगभिषाभि, देयम्।

3. (i) डॉ. राजेन्द्र प्रसादः— स्वतंत्रभारतस्यः प्रथम राष्ट्रपतिः देशरत्नः डॉ. राजेन्द्र प्रसादः एकः महापुरुषः आसीत्। तस्य जन्म बिहार राजस्य सारणमण्डलान्तर्गते जिरादेईनाम्नि ग्रामे 1884 तमें वर्षे अभवत्। कुशाग्रबुद्धिः सः सर्वासु परीक्षासु प्रथम श्रेण्यां प्रथमेव स्थानमलमता द्वादशवर्षाणि यावत् सः राष्ट्रपतिपदस्य बहुमानपदेस्थित्वा देशस्य सर्वविद्यसेवा कृतवान्। अस्य महामानवस्य सदाचारः वैदुष्यं देशभक्तिश्च अश्माकं भारतीयानां प्रेरक रूपेण सततं स्थास्यन्ति। असौ महानुभावः गांधमिहोदयः प्रधानः अनुयायी आसीत्।

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

(ii) अनुशासनम्— शासनस्य, आदेशस्य, नियमस्य मर्यादायाः च पालनं एव अनुशासनम् भवति। यथा शास्त्राणि वदन्ति तथा आचरणं अनुशासनम् भवति। यथागृहे वृद्धाः आदिशन्ति तथा पालनं अनुशासनम् भवति। ये नियमाः परिवारे समाजे, देशे वा कल्याणकारिणः तेषाम् अनुसरणम् अनुशासनम् भवति। या मर्यादाः जीवनस्य क्षेत्रेषु सुखं वर्धयन्ति तासाम् सम्यक पालन सर्व सुखाय भवति। प्रातः शीघ्रं जागरणियम् ततः मलशुद्धि स्नान त्यायामादिक च करणीयम् इत्मेवम अनुशासनम् स्वसुखाय सर्व सुखाय च पालनीयम् भवति।

(iii) हिमालयः— हिमस्य आलयः कथ्यते। हिमालयपर्वतः पर्वतानां राजा कश्यते। अयं पवेतेषु उच्चतमः अस्ति वर्णनम् विभिन्न ग्रन्थेक वर्त्तते। अयं भारतवर्षस्य उत्तरस्था दिक्षि स्थितः भारतस्य रक्षकरूपेण वर्त्तत। अस्मात् गंगा नदी प्रशवति। अस्य उपत्यकायां मनुष्यः तपः कुर्वन्ति अत्र औषधीनां प्रचूरता अस्ति।

(iv) गंगा नदीः— गंगा एका पवित्रा नदी अस्ति। इयम् हिमालयात् निर्गच्छति। अस्यां जलम पवित्र पापनाशकम भवति। इयस्म, भागीरथस्थ उग्रेन तापसा पृथ्वीतने आगता, अस्याः तटे अनेकानि नगराणि अवस्थितानि सन्ति धामिकाः जनाः गंगाया स्नात्वा पुण्यं लभन्ते।

4. (क) गिरीश, (ख) महा + उदय, (ग) य, (घ) उत् + लास।

5. (क) पंचमी/षष्ठी, (ख) तत्, (ग) (ii) तृतीया।

6. (क) (iv), (ख) (ii)

7. (क) प्र, (ख) (i)

8. (क) (ii), (ख) (iii)

9. (क) (ii), (ख) (ii)

10. (क) (ii), (ख) गन्तुम।

11. (क) हिमस्य, अत्यय, (ख) युधिष्ठिर, (ग) द्विगू समास, (घ) अर्धम।

12. (क) प्राचीन काल में उत्तनपाद नाम का राजा था। उसके दो पत्नी थी—सुनीति और सुरूचि। सुनीति बड़ी पत्नी थी, सुरूचि छोटी पत्नी थी। सुरूचि पति का बहुत प्रिय थी। सुनीति के पुत्र का नाम ध्रुव और सुरूचि के पुत्र का नाम उत्तम था। दोनों में सुरूचि का पुत्र उत्तम राजा का बहुत प्रियतर था।

(ख) यहाँ रामाय में चतुर्थी विभक्ति है।

13. (क) ब्राह्मणाय मधुर प्रियं अस्ति।

(ख) सः एकचरणेन खन्जः

(ग) महादेवाय नमः

(घ) मुनि आसनं तिष्ठति।

(ङ) उद्याने पुष्पाणि विकसन्ति।

(च) सः प्रतिदिनं विद्यालयं गच्छति।

(छ) पाटलिपुत्रस्य गोलगृहम् प्रसिद्धं अस्ति।

(ज) बनारसे विश्वनाथ मंदिरं अस्ति।

(झ) मम पिता श्व आगभिष्ययति।

(ञ) अहं शिक्षकात संस्कृतं पठामि।

14. (क) राजपुरुषों ने चार आलसियों को घर से बाहर किया।

(ख) विपुल संस्कृत साहित्य को विभिन्न कवि तथा शास्त्रकारों ने बढ़ाया।

(ग) भारतीय जीवन दर्शन में सोलह संस्कारों की चर्चा हुई है।

15. (क) पाटलिपुत्र गंगा, गंडक, कोशी, घाघरा, पुनपुन नद्या तटे अवस्थितम् अस्ति।

(ख) वीरेश्वर मंत्री आसीत्।

(ग) विपुलं संस्कृत साहित्यं विभिन्नं कविभिः शास्त्रकरैः च संवर्धितम्।

(घ) शास्त्रार्थ कुशलागर्गी आसीत्।

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

16. स्वामी दयानन्द आधुनिक भारत समाज तथा शिक्षा के महान उद्धारक थे। आर्य समाज नामक संस्था की स्थापना से इनका महान योगदान भारतीय समाज में माना जाता है। भारतवर्ष में राष्ट्रीयता का ज्ञान इनके विशेष कार्य है। समाज के अनेक दूषित प्रथाओं का खण्डन कर पवित्र भौतिक वस्तुओं की सत्यता के ज्ञान का प्रचार दयानन्द ने किया। यह पाठ स्वामी दयानन्द के परिचय एवं समाज के उद्धार में योगदान का परिचय करता है।

17. रामप्रवेश का जन्म बिहार राज्य के दुर्गम क्षेत्र में भिक्षन टोला नामक गांव में हुआ था।

आज राम प्रवेश की प्रतिष्ठा अपने प्रांत में और केन्द्र शासन में बहुत अधिक है। उसकी प्रशासन क्षमता और संकट के समय निर्णय की क्षमता सबों के लिए आकर्षक है। निश्चय ही यह कर्मवीर बाधाओं को पार कर प्रशासन केन्द्र में लोकप्रिय हो गया। सच ही कहा गया है। उद्यमी पुरुष सिंह ही लक्ष्मी को प्राप्त करता है।

18. (क) सभी जीवों के तत्व को सभी कर्म के योग को जानने वाले व्यक्ति को पंडित कहा गया है।

(ख) नरक जाने के तीन द्वार है, काम, क्रोध लोभ इसलिए इन तीनों को त्याग देना चाहिए।

19. (क) विदुरः नीतिकारः आसीत्।

(ख) नरकस्य त्रिविद्यं द्वारं परिगणितम्।

(ग) मन्दाकिनी तीर्थानि रतिं संजनयन्ति।

(घ) देवयानः पन्थाः सत्येन विततः अस्ति।

20. प्रस्तुत श्लोक हमारे पाठ्य पुस्तक पीयूषम भाग-2 के व्याघ्र पथिक कथा पाठ से संकलित है।

कंगन के लोभ में फंसकर पथिक वृद्ध व्याघ्र के हाथों मारा गया।

21. कर्ण सूर्यपुत्र है, जन्म से ही उसे कवच और कुण्डल प्राप्त है। जबतक कर्ण के शरीर में कवच कुण्डल है तब तक वह अजेय है। उसे कोई मार नहीं सकता है। कर्ण महाभारत युद्ध में कौरवों के पक्ष से युद्ध करता है। अर्जुन इन्द्रपुत्र है। इन्द्र अपने पुत्र हेतु छलपूर्वक कर्ण से कवच और कुण्डल मांगने जाते हैं। दानवीर कर्ण सूर्योपासना के समय याचक को निराश नहीं लौटाता है। इन्द्र इसका लाभ उठाकर दान में कवच कुण्डल मांग लेता है। सब कुछ जानते हुए भी इन्द्र को कर्ण अपना कवच कुंडल दान में दे देता है। अतः इस कविता में दान का बहुत बड़ा महत्व बताया गया है।

22. (क) पठित पाठ के आधार पर छः प्रकार के दोष निम्नलिखित है—

(i) लोभ, (ii) क्रोध, (iii) आलस, (iv) दीर्घ सुत्रता, (v) निद्रा, (vi) तंद्रा इन सभी दोषों को मनुष्य को त्याग करना चाहिए। क्योंकि पठित पाठ यह बताया गया है कि एक बेचारा पथिक लोभ के कारण अपना जान गवाँ बैठता है।

22. (ख) (i) यह उक्ति भारतीय संस्कारा पाठ से लिया गया है।

(ii) जन्म पूर्व तीन संस्कार है।

(iii) विवाह के रूप में गृहस्थ संस्कार है।

23. (क) शक्रः (ख) सुवर्णकंकणम्

(ग) स्वामीदयानन्दः (घ) शिक्षकः।

●●●

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com